

अनुपम हिंदी व्याकरण उत्तर-पुस्तिका भाग-5

1. भाषा और व्याकरण

मौखिक प्रश्न

1. लिपि।
2. भाषा के शुद्ध रूप और उसके शुद्ध प्रयोग का ज्ञान व्याकरण से आता है।
3. (क) वर्ण-विचार (ख) शब्द-विचार (ग) वाक्य-विचार

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) भाषण (✓)
(ख) (स) ब्रजभाषा (✓)
(ग) (स) मन के भाव केवल बोलकर या लिखकर प्रकट करना (✓)
2. (क) भाषा ध्वनि-प्रतीकों की ऐसी व्यवस्था है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों/भावों का आदान-प्रदान करता है।
(ख) भाषा के निम्नलिखित दो रूप होते हैं—1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा।
(ग) भाषा के लिखने के ढंग को ही लिपि कहा जाता है। हिंदी और संस्कृत भाषाएँ देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं।
(घ) भाषा के शुद्ध प्रयोग के नियमों की जानकारी देने वाला शास्त्र व्याकरण है।
3. (क) हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।
(ख) वर्ण लिखने का चिह्न लिपि कहलाता है।
(ग) व्याकरण भाषा के नियमों की जानकारी देता है।
(घ) हर भाषा अलग ढंग से लिखी जाती है।
(ङ) मन के विचार प्रकट करने का साधन भाषा है।
(च) हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।
4. (क) मराठी (ख) डोगरी
(ग) संस्थाली (घ) कोंकणी
5. (क) हिंदी — देवनागरी (ख) अंग्रेजी — रोमन
(ग) पंजाबी — गुरुमुखी (घ) उर्दू — फ़ारसी

6.

स्तंभ - (अ)	स्तंभ - (ब)
(क) हिंदी	गुरुमुखी
(ख) अंग्रेज़ी	रोमन
(ग) उर्दू	देवनागरी
(घ) पंजाबी	देवनागरी
(ङ) संस्कृत	अरबी-फ़ारसी
(च) मराठी	देवनागरी

7. (क) (✓)

(ख) (X)

(ग) (✓)

(घ) (✓)

8. (क) यश, अजय, अंकुर ने कविता सुनाई — लिखित
 (ख) नमन ने लघुकथा लिखी। — लिखित
 (ग) दादी ने कहानी सुनाई। — मौखिक
 (घ) अध्यापिका ने कविता समझाई। — मौखिक
 (ङ) नेहा पत्र लिख रही है। — लिखित

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

छात्र स्वयं करें।

समस्या-समाधान

भाषा	बोली
हिंदी	भोजपुरी
चीनी	राजस्थानी
जापानी	हरियाणवी
पंजाबी	
अंग्रेज़ी	
रूसी	
मराठी	

2. वर्ण-विचार

मौखिक प्रश्न

1. हिंदी में स्वर 11 हैं।
2. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र-संयुक्त व्यंजन हैं।
3. अं, अः-अयोगवाह है।

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) वर्ण के (✓)
(ख) (स) वर्णमाला (✓)
(ग) (स) सात (✓)
(घ) (स) वर्णों को अलग-अलग करना (✓)
2. (क) वर्ण भाषा की छोटी ईकाई है जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते।
(ख) जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से अर्थात् किसी अन्य ध्वनि की सहायता लिए बिना किया जाता है, वे स्वर वर्ण कहलाते हैं।
स्वर — अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ
मात्रा — — । ि ि ु ू े ै ो ौ
(ग) भाषा लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।
3. छात्र स्वयं करें।
4. जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से अर्थात् किसी अन्य ध्वनि की सहायता लिए बिना किया जाता है, वे **स्वर वर्ण** कहलाते हैं।
व्यंजन स्वतंत्र नहीं होते। इन्हें बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। इनकी संख्या तैंतीस हैं।
5. क्ष — क्षत्रिय त्र — त्रिशूल ज्ञ — ज्ञानी
6. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है। इसलिए वर्णों के और भी टुकड़े नहीं किए जा सकते।

अनुभवात्मक अधिगम रचनात्मकता

अ	चं	प	क	छ	गाँ
जै	थ	लं	घ	न	व
सी	अं	ग	ल	नं	श
लं	गू	रा	दों	द	ष
ग	र	ही	ज्ञ	न	दाँ
हाँ	क	आँ	ख	लि	त

अनुस्वार वाले शब्द	अनुनासिक वाले शब्द
चंपक	गाँव
नंदन	आँख
अंगूर	हाँ
अंग	दाँत
लंघन	हाँक

3. शब्द-विचार

मौखिक प्रश्न

- शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित तीन आधारों पर किया जाता है। (क) उत्पत्ति के आधार पर (ख) रचना या व्युत्पत्ति के आधार पर (ग) प्रयोग के आधार पर।
- उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के भेद (क) तत्सम (ख) तद्भव (ग) देशज (घ) विदेशी।

लिखित प्रश्न

- (क) (अ) दो भागों में बाँटा गया है—विकारी शब्द तथा अविकारी शब्द (✓)
(ख) (ब) अरबी-फ़ारसी (✓)

2. स्तंभ- (अ)

- (क) गाय
(ख) आश्रय
(ग) पगड़ी
(घ) सूर्योदय
(ङ) गजानन

स्तंभ- (ब)

- योगरूढ़
देशज
यौगिक
तद्भव
तत्सम

3. (क) अरबी-फ़ारसी : फौज, औरत, कारखाना
 (ख) पुर्तगाली : पादरी, कमरा
 (ग) अंग्रेज़ी : रेडियो, डॉक्टर, स्टेशन
4. (क) अँधेरा तिमिर (ख) चाँद चंद्र
 (ग) कुआँ कूप (घ) धीरज धैर्य
 (ङ) पंछी खग (च) बंदर वानर
 (छ) भाई भ्राता (ज) सोना स्वर्ण
5. (क) व्याकरण के अनुसार शब्द उसे माना जाता है। जिसका कुछ अर्थ होता है; जैसे-पंकज।
 (ख) शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित तीन आधारों पर किया जाता है।
 (क) उत्पत्ति के आधार पर (ख) रचना या व्युत्पत्ति के आधार पर
 (ग) प्रयोग के आधार पर।
 (ग) **विकारी शब्द**—इनके रूपों में लिंग, वचन, कारक, पुरुष तथा काल के कारण परिवर्तन (बदलाव) आ जाता है। ये चार प्रकार के होते हैं:
 लड़का से लड़के, लड़कों; लड़की से लड़कियाँ, लड़कियों आदि।
अविकारी शब्द—इनके रूपों में कभी भी, किसी भी स्थिति में कोई भी परिवर्तन (बदलाव) नहीं आता। ये सदा एक से रहते हैं। परंतु, अथवा, वहाँ।

पाठ्यचर्या एकीकरण तार्किक सोच

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
स्नानागार	पुस्तक	चतुर्भुज
विद्यार्थी	आकाश	पंकज
जलाशय	सागर	दशानन

4. वाक्य-विचार

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) मेरी बहन (✓)

(ख) (ब) संयुक्त (✓)

(ग) (स) आठ (✓)

2. उद्देश्य विधेय

(क) मेरे काले कुत्ते ने चोर का पीछा किया।

(ख) खुशी कल स्कूल नहीं जाएगी।

(ग) एक बच्चा पतंग उड़ा रहा था।

(घ) तुम लोग बाहर बैठो।

(ङ) वह चालाक कौआ पेड़ पर बैठा है।

3. (क) पार्क में कई लड़के खेल रहे हैं।

(ख) राजेश ने मनुज से कहा मनुज ने राजेश से कहा।

(ग) उन्हें रास्ते में एक घोड़ा मिला।

(घ) उनका लड़का बहुत चतुर था।

4. (क) जिस वाक्य में केवल एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय होता है, वह सरल वाक्य होता है।

(ख) संयुक्त वाक्य योजक शब्दों से जुड़कर बनते हैं।

(ग) मिश्र वाक्यों में एक प्रमुख वाक्य और दूसरा आश्रित उपवाक्य होता है।

5. (क) नेहरू जी बच्चों से बहुत प्रेम करते थे। सरल

(ख) मैं विद्यालय जाऊँगा और पढ़ाई करूँगा। संयुक्त

(ग) मेरी वह छतरी कहाँ है, जो नीले रंग की थी? मिश्र

(घ) माँ ने मुझसे पूछा कि घर कब लौटोगे? मिश्र

6. (क) बढ़ई आज काम नहीं करेगा। निषेधवाचक

(ख) यदि आप लगन से पढ़ते तो प्रथम स्थान पर आते। संकेतवाचक

(ग) क्या आप नहा चुके हैं? प्रश्नवाचक

(घ) अंजलि पुस्तक पढ़ रही है। विधानवाचक

(ङ) शौर्य आता ही होगा। संदेहवाचक

5. संज्ञा

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा के तीन भेद होते हैं—(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, (ख) जातिवाचक संज्ञा, (ग) भाववाचक संज्ञा।
2. जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, किसी विशेष वस्तु या किसी विशेष स्थान के नाम का बोध कराते हैं, उन्हें **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान या प्राणी अथवा भाव का नहीं, बल्कि उसकी संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन्हें **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) जातिवाचक संज्ञा (✓)
(ख) (अ) गहराई (✓)
(ग) (ब) दूध (✓)
(घ) (स) पढ़ाई (✓)
(ङ) (अ) विशेषण (✓)
2. (क) (X) (ख) (✓)
(ग) (X) (घ) (✓)
(ङ) (X)

3. स्तंभ- (अ) स्तंभ- (ब)
(क) देश — हिमालय
(ख) राजधानी — तुलसीदास
(ग) पक्षी — भारत
(घ) पहाड़ — नई दिल्ली
(ङ) कवि — मोर

4. (क) उसने ईमानदारी से काम किया।
(ख) गन्ने में बहुत मिठास थी।
(ग) निकिता को प्यास लगी है।

5. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे—पंकज, रोहित।

(ख) संज्ञा के तीन भेद हैं—

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा — पं० जवाहरलाल नेहरू
2. जातिवाचक संज्ञा — सेना
3. भाववाचक संज्ञा — बुढ़ापा

(ग) **जातिवाचक संज्ञा**— जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान या प्राणी अथवा भाव का नहीं, बल्कि उसकी संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन्हें **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

भाववाचक संज्ञा— जिन संज्ञा शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु के किसी गुण, भाव, दशा (अवस्था) आदि का बोध होता है उन्हें **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं। इन्हें देखा, छुआ या पकड़ा नहीं जा सकता, केवल महसूस ही किया जा सकता है।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

सबके दुख को अपना जानो,
सबको अपना भाई मानो।
आपस में मत करो लड़ाई,
लड़ने में है नहीं बड़ाई।

झूठ कभी मत बोलो भाई,
सदा विजय पाती सच्चाई।
सबकी इज्जत अगर करोगे,
सबके प्यारे सदा बनोगे।

समस्या-समाधान

जातिवाचक	व्यक्तिवाचक	द्रव्यवाचक	समूहवाचक	भाववाचक
लड़की	मुंबई	शरबत	पाठशाला	वीरता
शिक्षक	नरेंद्र मोदी	दूध	कक्षा	अच्छाई
चोर	राहुल	सोना	सेना	थकावट
राजा	आदित्य	लोहा	गड्डी	मिठास
नारी		पानी	नगर	बचपन

6. संज्ञा : लिंग

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) बुढ़ापा (✓)
(ख) (स) लुहारिन (✓)
(ग) (अ) माली-मालिन (✓)
2. (क) नौकर नौकरानी (ख) मामा मामी
(ग) देवता देवी (घ) वृद्ध वृद्धा
(ङ) कवि कवयित्री (च) भवदीय भवदीया
(छ) सम्राट सम्राज्ञी (ज) पापिन पापी
(झ) मालिन माली (ञ) ऊँट ऊँटनी
3. (क) आशा जी महान गायिका हैं।
(ख) नेहा विदुषी महिला है।
(ग) मोर बहुत सुंदर नाचता है।
(घ) मेरी जेठानी कल आएँगी।
(ङ) सम्राट महल में पधार रहे हैं।
4. (क) आज अध्यापिका कक्षा में नहीं आई।
(ख) मालिन पौधों को पानी दे रही है।
(ग) सेठानी को मिठाई खाना बहुत पसंद है।
(घ) कमरे में पलंग पर बालिका सो रही है।
(ङ) मेरी पड़ोसन मुझे बहुत परेशान करती है।
5. (क) संज्ञा के जिस रूप से यह पता चलता है कि दिया हुआ शब्द पुरुष (नर) जाति का बोध कराता है या स्त्री (मादा) जाति का, उसे लिंग कहते हैं। इसके दो भेद हैं—स्त्रीलिंग, पुल्लिंग।
(ख) मछली, छिपकली, मित्रता, खटिया।

7. संज्ञा : वचन

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) बहुवचन (✓)

(ख) (द) अध्यापिका (✓)

(ग) (ब) जनता (✓)

(घ) (अ) बहुवचन (✓)

2. (क) रुपया रुपये (ख) आँखें आँख
(ग) नदियाँ नदी (घ) डिबियाँ डिबिया
(ङ) सड़क सड़कें (च) ऋतु ऋतुएँ
(छ) बच्चे बच्चा (ज) बहुएँ बहू

3. (क) लड़कियाँ नाच रही हैं।
(ख) सभी बालकों के पास पुस्तकें हैं।
(ग) सुधा ने तीन केले खाए।
(घ) स्त्रियाँ गीत गा रही हैं।
(ङ) भोर होते ही मुर्गे बाँग देने लगते हैं।

पाठ्यचर्या एकीकरण

समस्या-समाधान

एकवचन	बहुवचन
अँगूठा	माताएँ
घड़ी	खिलौने
पुस्तिका	पौधे
माचिस	खिड़कियाँ

तार्किक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

8. कारक

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) आठ (✓)
(ख) (ब) जिसके लिए क्रिया संपन्न की जाए (✓)
(ग) (अ) अपादान (✓)

- (घ) (ब) करण का (✓)
2. (क) मैंने निर्धनों को वस्त्र बाँटे। कर्म कारक
- (ख) राम ने रावण को मारा। कर्ता
- (ग) हनुमान लक्ष्मण के लिए संजीवनी बूटी लाए। संबंध
- (घ) अनंत इस शहर से चला गया। अपादान
- (ङ) सुप्रिया कमरे में है। अधिकरण
- (च) हे साधु! भोजन ग्रहण करो। संबोधन

3. कारक

विभक्ति-चिह्न

- (क) कर्ता से (अलग होना)
- (ख) अधिकरण का, के, की; रा, रे, री; ना, ने, नी
- (ग) कर्म ने
- (घ) संप्रदान पर
- (ङ) करण को
- (च) अपादान से, द्वारा, के द्वारा, के साथ
- (छ) संबंध को, के लिए
4. (क) संज्ञा शब्दों के साथ आकर उसका क्रिया से जो संबंध बताते हैं, उसे **कारक** कहते हैं; जैसे—राम ने; सीता को।
- (ख) कारक के **आठ भेद** होते हैं— 1. कर्ता, 2. कर्म, 3. करण, 4. संप्रदान, 5. अपादान, 6. संबंध, 7. अधिकरण, 8. संबोधन।
5. (क) दुकान में ग्राहक खड़े हैं।
- (ख) केदारनाथ का भाई डॉक्टर है।
- (ग) अध्यापिका ने छात्रों को गृहकार्य दिए।
- (घ) कवियों ने कविताएँ सुनाईं।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

- (क) हम सब ने अपने-अपने कपड़े उठाए।
- (ख) अरी विनीता! गाना क्यों नहीं गाती?

- (ग) पेड़ से पका फल गिर गया।
 (घ) इन वस्त्रों को दर्रा में रख दो।
 (ङ) घड़े में पानी है।
 (च) सुनंदा कार से आई है।
 (छ) पिता जी बच्चों के लिए मिठाई लाए हैं।

9. सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।
- सर्वनाम के निम्नलिखित **छह भेद** हैं—(क) पुरुषवाचक सर्वनाम (ख) निश्चयवाचक सर्वनाम (ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (घ) संबंधवाचक सर्वनाम (ङ) प्रश्नवाचक सर्वनाम (च) निजवाचक सर्वनाम

लिखित प्रश्न

- | | | | |
|-----------------|-----|--------------------|-----|
| (क) (ब) सर्वनाम | (✓) | (ख) (अ) छह | (✓) |
| (ग) (अ) कौन | (✓) | (घ) (स) प्रश्नवाचक | (✓) |
| (ङ) (स) उन्हें | (✓) | | |
- (क) संज्ञा के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, उसे **सर्वनाम** कहते हैं।

सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा शब्दों के दोहराव से बचने के लिए किया जाता है।

(ख) सर्वनाम के निम्नलिखित **छह भेद** हैं—1. पुरुषवाचक सर्वनाम
 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के निम्नलिखित **तीन भेद** हैं—1. उत्तम पुरुष
 2. मध्यम पुरुष 3. अन्य पुरुष।

(घ) **निश्चयवाचक सर्वनाम**— जो सर्वनाम किसी वस्तु या स्थान के बारे में निश्चयपूर्वक ज्ञान कराता है, उसे **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं; जैसे— (अ) यह मेरी पुस्तक है। (ब) वह मेरा घर है।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम— जो सर्वनाम किसी वस्तु का निश्चयपूर्वक ज्ञान नहीं कराता, उसे **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं; जैसे—
(अ) कोई गा रहा है। (ब) उसे कुछ हो गया है।

3. (क) प्रिया की मम्मी ने उससे पूछा, “जरा देखो तो, बाहर कौन आया है, उसे क्या चाहिए?”

प्रिया ने कहा, “मम्मी, कोई आया है, पर मैं उसे नहीं जानती। आप ही पूछ लीजिए।”

- (ख) मैंने तुम्हें बता दिया था कि चाय में कुछ पड़ा है।
(ग) आपका धन्यवाद! इन प्रश्नों को मैं अपने आप हल करूँगा।
(घ) अशोक, तुम याद रखो, ‘जो जैसा करता है, वह वैसा ही भरता है।’
4. (क) सोहन ने कहा कि मैं घर जा रहा हूँ।
(ख) मेरा नाम क्यों पूछ रहा था?
(ग) जिसकी लाठी उसकी भैंस।
(घ) राम ने अपनी किताब उसे दिखाई।
(ङ) वह मेरा छोटा भाई है।
(च) मैं आज दिल्ली जाऊँगा।
(छ) वे चार मित्र हैं।
5. (क) उन्होंने एक गीत गाया।
(ख) मैंने दादा जी से कहा, “मुझे आपसे कुछ पूछना है।”
(ग) जिसने भी यह काम किया है, ठीक नहीं किया।
(घ) तुम जैसा चाहो वैसा चुन लो।
(ङ) मुझे यह पुस्तक नहीं चाहिए।
6. (क) पुरुषवाचक — हमारा (ख) निश्चयवाचक — वह
(ग) अनिश्चयवाचक — कुछ (घ) संबंधवाचक — जैसा
(ङ) प्रश्नवाचक — किसका (च) निजवाचक — स्वयं
7. **संज्ञा** **सर्वनाम**
(क) किताब मेरी, वह
(ख) बच्चा जो, उसे

(ग) गमला	जिसने, उसे
(घ) दिल्ली	हमारे
(ङ) मम्मी	मैं

अनुभवात्मक अधिगम रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण तार्किक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

आलोचनात्मक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

10. विशेषण

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) गुणवाचक (✓) (ख) (अ) व्यक्ति (✓)
(ग) (स) संख्यावाचक (✓)

2. स्तंभ-‘अ’ स्तंभ-‘ब’

(क) विशाल	मजदूर
(ख) चतुर	सैनिक
(ग) मेहनती	रुपये
(घ) बहादुर	भवन
(ङ) थोड़ा-सा	मदारी
(च) कुछ	दूध

3. (क) (X) (ख) (X)
(ग) (X) (घ) (✓)

4. (क) आज का दिन बहुत सुहाना है।
(ख) चरवाहे अपनी गायों को हरी घास चराने मैदान में ले गए।

- (ग) गायक ने **मधुर गीत** गाकर सबका मन मोह लिया।
- (घ) आकाश बाज़ार से **दो किलो** फल खरीदने गया है।
5. (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण** कहते हैं। विशेषण के मुख्य रूप से **चार भेद** होते हैं; 1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण 3. परिमाणवाचक विशेषण 4. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण।
- (ख) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले अर्थात् उनके रूप, गुण, आकार, संख्या व रंग आदि का बोध कराने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।
- विशेषण शब्द जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, वे **विशेष्य** कहलाते हैं; जैसे— कक्षा में दस छात्र है।
- (ग) जो विशेषण शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या-संबंधी विशेषता बताते हैं, उन्हें **संख्यावाचक विशेषण** कहते हैं।
- जब कोई विशेषण शब्द किसी संज्ञा की परिमाण (मात्रा या माप-तौल) संबंधी विशेषता का बोध कराता है, तो उसे **परिमाणवाचक विशेषण** कहते हैं; जैसे— एक लीटर दूध चाहिए।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

गुणवाचक	संख्यावाचक	परिमाणवाचक	सार्वनामिक
तीखा	पाँचवाँ	कुछ, थोड़ा	यह, वे, वह
चौड़ाई	एक दर्जन	उस	
चतुर	आठ किलो	तीन मीटर	
जापानी	बत्तीस	100 कि. मीटर	

11. क्रिया

लिखित प्रश्न

- (क) (ब) धातु (✓)
- (ख) (स) अकर्मक क्रिया (✓)
- (ग) (ब) पूर्वकालिक (✓)

(घ) (स) प्रेरणार्थक (✓)

2. (क) जिस पद से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे **क्रिया पद** कहते हैं।

(ख) क्रिया के मूल रूप को **धातु** कहते हैं।

(ग) कर्म की दृष्टि से क्रिया के **दो भेद** होते हैं— **सकर्मक** और **अकर्मक**।

(घ) जिन क्रियापदों में कर्म नहीं होता, उन्हें **अकर्मक** क्रिया कहते हैं।

3. छात्र स्वयं करें।

4. (क) गौरव / पढ़ता है। पुस्तक

(ख) सौम्या / खाती है। फल

(ग) माँ / बनाती हैं। खाना

(घ) दादी / सुनाती हैं। कहानी

5. (क) फ़राह पढ़कर **सो गई**। पूर्वकालिक

(ख) पिता जी ने मेरी किताब **देखी**। संयुक्त

(ग) आवाज़ सुनकर सारी चिड़ियाँ **उड़ गईं**। पूर्वकालिक

(घ) शोभित ने मित्र से पत्र **लिखवाया**। द्विकर्मक

6. (क) जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का पता चलता है, उन शब्दों को **क्रिया** कहते हैं; जैसे—खाना, गाना, चलना, रोना, हँसना, बोलना, दौड़ना आदि हैं।

(ख) जिन क्रियाओं का कर्म नहीं होता है, उन्हें **अकर्मक** क्रिया कहते हैं; जैसे—विकास पढ़ता है।

वाक्य में जिन क्रियाओं का कर्म होता है, उन्हें **सकर्मक** क्रिया कहते हैं; जैसे—सीमा पुस्तक पढ़ रही है।

(ग) प्रेरणार्थक क्रिया जिन क्रियाओं से पता चलता है कि कर्ता स्वयं काम न करके किसी दूसरे से करवाता है उन्हें **प्रेरणार्थक क्रिया** कहते हैं; जैसे—रश्मि नौकरानी से बच्चे को सुलवाती है।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

12. काल

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया के जिस रूप से किसी कार्य के होने या करने के समय का बोध होता है। उसे **काल** कहते हैं।
2. काल के मुख्य रूप से निम्नलिखित **तीन भेद** होते हैं—1. वर्तमान काल
2. भूतकाल 3. भविष्यत् काल।

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने या करने के समय का ज्ञान होता है। (✓)
(ख) (स) भविष्यत् काल की (✓)
(ग) (स) भूतकाल की (✓)
2. (क) जिस काल में क्रिया हो रही होती है, वह **वर्तमान काल** की क्रिया कहलाती है।
(ख) जो क्रिया भविष्य में होती है, उसे **भविष्यत् काल** की क्रिया कहते हैं।
(ग) क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य पूरा हो चुका है, वह **भूतकाल** की क्रिया कहलाती है।
3. (क) मनोज आज कानपुर से लौटेगा। भविष्यत् काल
(ख) मैं अपना गृहकार्य कर चुका। भूतकाल
(ग) श्रुति गीत गा रही है। वर्तमान काल
(घ) सन् 1947 में हमारा देश आज़ाद हुआ था। भूतकाल
(ङ) भारत एक महाशक्ति राष्ट्र बनेगा। भविष्यत् काल
4. (क) छुट्टियों में हम नैनीताल गए थे।
(ख) शिशिर दिल्ली जा रहा है।
(ग) नगर निगम का दस्ता अवैध इमारत तोड़ रहा होगा।
(घ) नेता जी भाषण दे रहे थे।
(ङ) अमित की दादी तीर्थ-यात्रा पर जा रही हैं।

5. (क) काल के तीन भेद हैं—

1. वर्तमान काल — मोहित खा रहा है।
2. भूतकाल — वह कल दिल्ली चला गया।
3. भविष्यत् काल — वह कल पंजाब जाएगा।

(ख) क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य बीते हुए समय में पूरा हो चुका है, वह क्रिया का **भूतकाल** कहलाता है; जैसे—मेरे भाई ने मुझे कल उपहार दिया।

क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय में होगी, उसे **भविष्यत् काल** कहते हैं; जैसे—आज से मैं पढ़ाई में मेहनत करूँगा।

पाठ्यचर्या एकीकरण

समस्या समाधान

भूतकाल	वर्तमान काल	भविष्यत् काल
सोचा, लिखा	जा रहा है, रो रही है	खाएगा, नाचेगी
सो रही थी	पढ़ रहे हैं	खेलेंगे

तार्किक सोच

कौन-सा वाक्य किस काल का है इसकी पहचान वाक्य में हो रहे क्रिया के द्वारा हम करेंगे कि काम हो चुका हो रहा है या अभी होना है तो इससे भूतकाल, वर्तमान काल तथा भविष्यत् काल का पता चलेगा।

13. अव्यय/अविकारी शब्द

1. अव्यय

लिखित प्रश्न

1. (क) (ब) अविकारी (✓)
(ख) (ब) रीतिवाचक (✓)
2. (क) क्रियाविशेषण शब्द **क्रिया** की विशेषता बताते हैं।
(ख) **योजक** शब्द जोड़ने का काम करते हैं।

(ग) संबंधबोधक शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर उसका **संबंध** वाक्य के दूसरे शब्दों से बताते हैं।

(घ) **विस्मयादिबोधक** शब्द हर्ष, शोक, आश्चर्य आदि प्रकट करते हैं।

3. वाक्य क्रिया-विशेषण का भेद

(क) हम शादी में खूब नाचे। रीतिवाचक

(ख) बच्चे बाहर खेल रहे हैं। स्थानवाचक

(ग) वे कल पिकनिक पर जाएँगे। कालवाचक

(घ) वह रोते-रोते सो गया। रीतिवाचक

4. (क) खरगोश तेज़ दौड़ता है।

(ख) मैं **प्रतिदिन** घूमने जाता हूँ।

(ग) शिवानी **किधर** गई है?

(घ) उतना खाओ **जितना** पचा सको।

14. संबंधबोधक

मौखिक प्रश्न

1. संबंधबोधक अव्यय का प्रयोग दूसरे शब्दों के साथ संबंध बताने के लिए किया जाता है।

2. के नीचे, के ऊपर, के बाहर, से पहले।

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) संबंधबोधक (✓)

(ख) (अ) संबंधबोधक (✓)

(ग) (अ) संबंधबोधक (✓)

(घ) (अ) संबंधबोधक (✓)

2. (क) दो संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों में संबंध बताने वाले शब्द **संबंधबोधक अव्यय** कहलाते हैं; जैसे—के ऊपर, के नीचे।

(ख) दो संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों में संबंध बताने वाले शब्द **संबंधबोधक अव्यय** कहलाते हैं; जैसे—वह पेड़ के नीचे है।

क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को **क्रियाविशेषण** कहते हैं; जैसे—वह धीरे-धीरे जा रहा है।

3. (क) वर्षा **के उपरांत** धूप निकल आई। **के उपरांत**
 (ख) दफ़्तर **के बाहर** भीड़ है। **के बाहर**
 (ग) चोर ने डर **के मारे** झूठ बोल दिया। **के मारे**
 (घ) गुरुदास **की जगह** गुरतेज आया। **की जगह**
4. (क) अरुण **के अलावा** मुझे यहाँ कोई नहीं जानता।
 (ख) मैंने उसे पत्र **के द्वारा** सूचना भेजी है।
 (ग) ठंड **के कारण** बूढ़ा व्यक्ति ठिठुर रहा था।
 (घ) अनूप **की अपेक्षा** मनीष अधिक बुद्धिमान है।
5. छात्र स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

एक घने पेड़ **के नीचे** झोपड़ी में एक बुढ़िया रहती थी। उसकी झोपड़ी **के पास** एक साँप रहता था। बुढ़िया उसके लिए प्रतिदिन उसके बिल **के सामने** प्याले में दूध रख देती थी। साँप बुढ़िया से बहुत प्रसन्न था। एक दिन साँप ने बुढ़िया की झोपड़ी **के भीतर** चार चोर को देखा। वे झोपड़ी में घुसने लगे। साँप भी चारों **के पीछे** झोपड़ी में घुस गया। साँप ने उनको डस लिया। चोर झोपड़ी **के बाहर** भागे। इस प्रकार साँप ने बुढ़िया के सामान की रक्षा की।

15. समुच्चयबोधक

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) लेकिन (✓)
 (ख) (स) इसलिए (✓)
 (ग) (ब) परंतु (✓)

2. (क) दो शब्दों, वाक्यांशों अथवा वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द 'समुच्चयबोधक अव्यय' कहलाते हैं। उदाहरण— आप चाय पीएँगे या कॉफी?
(ख) समुच्चयबोधक अव्यय दो प्रकार के हैं—
समानाधिकरण और व्यधिकरण।
3. (क) वह दौड़ जीत गया इसलिए उसे पुरस्कार मिला है।
(ख) रावण दुष्ट था लेकिन विभीषण सज्जन था।
(ग) बादल गरजने लगे और बारिश शुरू हो गई।
(घ) पारुल बीमार थी इसलिए वह विद्यालय नहीं आई।
(ङ) मेरी माता जी अच्छी हैं और वे मुझे बहुत प्यार करती हैं।
(च) उसने मुझे बताया कि वह बीमार है।
(छ) रमेश चित्र बनाता है और रमेश चित्र बेचता है।
(ज) रोहन मन लगाकर पढ़ता है इसलिए रोहन प्रथम आता है।
4. (क) ट्रॉय वाले सोए हुए थे और घोड़े के पेट में बैठे यूनानी सैनिक जाग रहे थे।
(ख) माता जी ने कहा है कि तुम इसी समय चले आओ।
(ग) दानव का बगीचा बहुत बड़ा और सुंदर था।
(घ) आगे गड्ढे हैं, सँभलकर चलो वरना चोट लगने का खतरा है।
(ङ) पांडवों की जीत हुई क्योंकि धर्म उनके साथ था।
5. छात्र स्वयं करें।
6. (क) वह आदमी चाहे अच्छा था या बुरा, बिना बताए चला गया।
(ख) मृदुल गरीब है परंतु ईमानदार है।
(ग) अब तुम पढ़ोगे या खेलोगे?
(घ) यदि तुम परिश्रम करोगे तो अवश्य सफल होगे।

पाठ्यचर्या एकीकरण

समस्या-समाधान

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

तार्किक सोच

(घ) वाह!

अनुभवात्मक अधिगम
रचनात्मकता

अ	प	रं	तु	ता
न्य	र	क्	क्यों	कि
था	स	त	ले	य
त	लि	था	कि	किं
था	ए	पि	न	तु

समुच्चयबोधक अव्यय

परंतु
क्योंकि
किंतु
लेकिन
अन्यथा

16. विस्मयादिबोधक

मौखिक प्रश्न

- विस्मयादिबोधक शब्द पूर्ण रूप से स्वतंत्र होते हैं। वाक्य के अन्य शब्दों से इनका कोई संबंध नहीं होता।
- छिः-छिः!, धिक्!, अरे!, क्षमा करो!, जी! हे!, ओ जी!, अच्छा!, ठीक है!।

लिखित प्रश्न

- (क) (स) वाह! (✓)
(ख) (ब) हाय! (✓)
(ग) (अ) अरे! (✓)
- वक्ता के मन में अकस्मात् उत्पन्न हुए विभिन्न भावों को प्रकट करने वाले शब्द **विस्मयादिबोधक शब्द** कहलाते हैं।
3. (क) शाबाश! बहुत अच्छा काम किया। हर्षसूचक
(ख) बाप-रे! बाप! इतना बड़ा मगरमच्छ। विस्मयबोधक
(ग) हाय! बेचारा बूढ़ा व्यक्ति गिर गया। अफ़सोसबोधक
(घ) छिः! तुमने छोटे बच्चे को मारा। घृणासूचक
(ङ) अरे! आप कब आए? विस्मयबोधक
(च) ऊफ़! कितनी गरमी है। अफ़सोसबोधक
(छ) वाह! कितना ठंडा शरबत है। हर्षसूचक
- (क) वाह! हमने मैच जीत लिया।

- (ख) शाबाश! तुमने अपने कुल का नाम रोशन कर दिया।
 (ग) ओह! उसके दादा जी नहीं रहे।
 (घ) वाह! कितने मीठे आम हैं।
 (ङ) हाय राम! यह क्या हो गया।
 (च) शाबश! तुमने तो कमाल ही कर दिया।
 (छ) ओह! बेचारे को चोट लग गई है।
 (ज) जा-जा! तेरे जैसे बहुत देखे।
 (झ) छि:-छि:! कमरे में इतनी गंदगी।
5. (क) ठीक! मैं कल आ जाऊँगा। स्वीकृति
 (ख) अरे! आप कहाँ जा रहे हैं? आश्चर्य
 (ग) छि:-छि:! इतनी गंदगी। घृणा
 (घ) अजी! उसे काफी चोट लगी है। दुख
 (ङ) वाह! क्या खूब गाया। हर्ष
6. (क) अरे! — अरे! आप कब आए?
 (ख) वाह! — वाह! कितना सुहावना मौसम है।
 (ग) हाय! — हाय! बच्चे को चोट लग गई।
 (घ) शाबाश! — शाबाश! तुमने बहुत अच्छा काम किया।
 (ङ) बाप-रे-बाप! — बाप-रे-बाप! कितना बड़ा साँप है।

अनुभवात्मक अधिगम

रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

समस्या-समाधान

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

17. विराम-चिह्न

लिखित प्रश्न

- (क) (ब) विराम-चिह्न (✓)
(ख) (ब) योजक (-) (✓)
(ग) (अ) विस्मयादिबोधक (!) (✓)
- (क) किसी वाक्य के पूरा होने पर **पूर्णविराम** का प्रयोग होता है।
(ख) वाक्य में किसी व्यक्ति, वस्तु को दूसरे से अलग करने के लिए **अल्पविराम** का प्रयोग किया जाता है।
(ग) **प्रश्नवाचक** वाक्यों के अंत में प्रश्न-चिह्न लगाया जाता है।
(घ) दो शब्दों को जोड़ने के लिए **योजक** का प्रयोग किया जाता है।
- (क) (X) (ख) (✓)
(ग) (X) (घ) (X)
- (क) छिः तुम्हारे कपड़े कितने मैले हैं।
(ख) क्या, तुम कल पाठशाला नहीं जाओगे?
(ग) मुझे फल-सब्जियाँ खाना पसंद है।

पाठ्यचर्या एकीकरण

समस्या-समाधान

(क) योजक चिह्न	—	?	(-)	:
(ख) प्रश्नवाचक चिह्न	—	;	:-	(?)
(ग) अल्प विराम	—	°	(,)	;
(घ) अर्ध विराम	—	(;) ;		,

18. अशुद्धि-शोधन

लिखित प्रश्न

- (क) क्योंकि (✓)
(ख) कवयित्री (✓)

(ग) कृतज्ञता (✓)

(घ) उज्ज्वल (✓)

(ङ) वायु (✓)

2. (क) आशीर्वाद — आशीर्वाद (ख) कार्यक्रम — कार्यक्रम

(ग) बरात — बारात (घ) श्रीमति — श्रीमती

(ङ) पूजनीय — पूजनीय (च) दीपावली — दीपावली

(छ) द्रश्य — दृश्य (ज) अकाश — आकाश

3. आधुनिक युग में टेलीविजन मनोरंजन का प्रमुख साधन बन चुका है। जब कहीं राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक या अन्य किसी प्रकार की घटना घटती है, तो उसका सीधा प्रसारण टेलीविजन द्वारा होता है।

4. (क) मुझे घर जाना है।

(ख) पुस्तक पर मत लिखो।

(ग) मैं गाय का शुद्ध दूध पीता हूँ।

(घ) लड़कों ने खाना नहीं खाया।

(ङ) सभी काम मैंने किया है।

(च) उसकी वाणी से रस टपकते हैं।

(छ) उसके प्राण निकल गए।

(ज) रमन से अनजाने में भूल हो गई।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

19. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) भाषा को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए (✓)

(ख) (स) कृतज्ञ (✓)

(ग) (ब) जलचर (✓)

2. (क) सप्ताह में एक बार होने वाला — मितभाषी
 (ख) जिसे किसी का डर न हो — पर्वतारोही
 (ग) ईश्वर को न मानने वाला — स्वार्थी
 (घ) कम बोलने वाला — साप्ताहिक
 (ङ) खेती करने वाला — किसान
 (च) पर्वतों पर चढ़ने वाला — निडर
 (छ) अपना ही भला चाहने वाला — नास्तिक
3. (क) अनुयायी — किसी का अनुसरण करने वाला
 (ख) आयात — विदेशों से माल मँगवाना
 (ग) दंपति — स्त्री-पुरुष का जोड़ा
 (घ) प्रवासी — दूसरे देश से आकर बस जाना
4. (क) विश्व में ताजमहल **अद्वितीय** है।
 (ख) इमरान **निडर** है।
 (ग) ईश्वर **निराकार** है।
 (घ) समीर **कामचोर** है।

20. पर्यायवाची शब्द

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) रंक (✓)
 (ख) (ब) समीर (✓)
 (ग) (अ) इंदु (✓)
2. (क) समान अर्थ वाले शब्दों को **समानार्थक** कहते हैं।
 (ख) 'निशा' और 'रजनी' रात्री के पर्याय हैं।
 (ग) दुनिया और जग 'संसार' के पर्याय हैं।
 (घ) सिंधु और जलधि 'सागर' के पर्याय हैं।
3. (क) पक्षी — खग विहग (चील)
 (ख) दिन — दिवस (दिशा) वार

(ग) सूर्य — रवि

दिनकर

(घ) साँप — दर्प

सर्प

राशि

नाग

4. (क) बादल — राकेश
(ख) समुद्र — कगार
(ग) चाँद — जलधि
(घ) किनारा — जलधर
(ङ) सुबह — कानन
(च) वन — प्रभात

5. (क) भगवान ने मानव को बुद्धिमान बनाया है।
(ख) हमें धरा पर पेड़ लगाने चाहिए।
(ग) आकाश में घन छाए हुए हैं।
(घ) वन में अनेक पशु रहते हैं।

21. विलोम शब्द

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) जो शब्द एक-दूसरे का उलटा अर्थ देते हैं। (✓)
(ख) (ब) दिन (✓)
(ग) (अ) वीर (✓)
(घ) (स) नरक (✓)
2. (क) धर्म — अधर्म (ख) लोक — परलोक
(ग) बालिग — नाबालिग (घ) साकार — निराकार
(ङ) पास — दूर (च) चतुर — मूर्ख
(छ) यश — अपयश (ज) अनुज — अग्रज
(झ) स्वामी — स्वामिनी (ञ) धनी — गरीब
3. (क) रावण और उसके भाई विभीषण के स्वभाव में आकाश-पाताल का अंतर था।
(ख) हमें अपनी आय के अनुसार ही व्यय करना चाहिए।

- (ग) सूर्य दिन में निकलता है, तो चंद्रमा **रात** को।
 (घ) भारत में अनेक धर्मों और जातियों के लोग रहते हैं, फिर भी सभी भारतवासी **एक** हैं।
 (ङ) गुण व्यक्ति को **मान** दिलाते हैं, तो **अवगुण** उसे निरादर।
 (च) मेल-जोल देश को **उत्थान** की ओर ले जाता है जबकि आपस की फूट पतन की ओर।
 (छ) आप प्रश्न पूछिए, मैं **उत्तर** दूँगा।

4. (क) आदान — असत्य
 (ख) स्वाधीन — पुण्य
 (ग) निंदा — दुर्जन
 (घ) सत्य — प्रशंसा
 (ङ) सज्जन — प्रदान
 (च) पाप — पराधीन

परियोजना-कार्य

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

22. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

लिखित प्रश्न

- (क) (अ) विशेष अर्थ देने वाले शब्दों को (✓)
 (ख) (ब) मुहावरे की सहायता से (✓)
 (ग) (ब) हार मान लेना (✓)
- मुहावरा** **अर्थ**
 (क) कमर कसना — (अ) साफ मना करना
 (ख) कान खड़े होना — (ब) तैयार होना
 (ग) अँगूठा दिखाना — (स) हिम्मत हारना
 (घ) छक्के छूटना — (द) चौकन्ना होना
- (क) थोथा चना बाजे घना = कम जानकार अधिक दिखावा
 (ख) एक और एक ग्यारह = एकता में बल

- (ग) अंधों में काना राजा = अनपढ़ में कम पढ़ा-लिखा भी सम्मान पाता है।
- (घ) नाच न जाने आँगन टेढ़ा = अपनी गलती दूसरों पर मढ़ना।
- (ङ) घर का भेदी लंका ढाये = आपसी फूट, घर को बर्बाद कर देता है।
- (च) बिल्ली के भाग से छींका टूटना = अचानक मनचाहा काम हो जाना।
4. (क) ऊँची दुकान फीकी पकवान
- (ख) एक पंथ द्वि काज
- (ग) आँख के अंधे नाम नयन सुख
- (घ) मुँह में राम बगल में छूरी
- (ङ) एक अनार सौ बीमार
5. (क) वाक्य का वह भाग, जो अपने शब्दों का सामान्य अर्थ न देकर कोई विशेष अर्थ दर्शाता है, 'मुहावरा' कहलाता है।
- (ख) लोकोक्ति का अर्थ—लोगों द्वारा कही गई उक्ति है।
- (ग) लोकोक्ति एक पूर्ण वाक्य होती है, जबकि मुहावरा वाक्य का एक अंश होता है। पूर्ण वाक्य होने के कारण लोकोक्ति का प्रयोग स्वतंत्र रूप से किया जाता है, जबकि मुहावरे का प्रयोग वाक्य के अंश के रूप में; जैसे—घी के दीये जलाना।
- वाक्य में प्रयोग किए जाने पर लोकोक्ति में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं होता, जबकि मुहावरे में वाक्य के अनुसार परिवर्तन होता है; जैसे—काला अक्षर भैंस बराबर।

पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

- (क) (ब) फूल और काँटा
- (ख) 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा'—मुहावरा है।

23. अनेकार्थी शब्द

लिखित प्रश्न

1. (क) (अ) ऐसे शब्द, जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। (✓)

- (ख) (ब) आम (✓)
 (ग) (स) परिणाम (✓)
2. (क) हमें कारखाना खोलने के लिए **धन** की आवश्यकता है।
 (ख) अच्छा काम करने पर अच्छा **परिणाम** मिलता है।
 (ग) बच्चे ने मंत्री के गले में **माला** पहनाई।
 (घ) कक्षा के **सारे** बच्चे चले गए।
3. (क) हे माँ! मेरे **पुत्र** की रक्षा कीजिए।
 (ख) बच्चे **नदी** के पास वाले मैदान में खेलने गए हैं।
 (ग) आजकल **स्वर्ण** बहुत महँगा हो गया है।
 (घ) इस प्रश्न को स्वयं **सिद्ध** कीजिए।

24. श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द

लिखित प्रश्न

1. (क) (स) सख्ती (✓)
 (ख) (ब) नौका (✓)
 (ग) (ब) दुख-रुचि (✓)
2.

शब्द	अर्थ
(क) कपट	(अ) अनाज
कपाट	दूसरा
(ख) अन्न	(ब) आग
अन्य	वायु
(ग) अपेक्षा	(स) धोखा
उपेक्षा	दरवाजा
(घ) अनल	(द) आशा
अनिल	अनादर
3. (क) हम बाज़ार से अपने गृह आ गए।
 (ख) अनाथ आश्रम में **दीन** बच्चे रहते हैं।

- (ग) विपुल चाय पीने का आदी है।
 (घ) राजा का कोष भरा हुआ है।
 (ङ) दौड़ में कछुआ अविराम चलता रहा।
4. (क) गरीबों की दशा देखकर निराला जी को दया आ जाती थी।
 (ख) बरतन उठाकर एक ओर रख दो।
 (ग) मुझे प्रसिद्ध व्यक्तियों के चित्र बनाने का शौक है।
 (घ) वार्षिक परीक्षा शुरू होने में कुछ दिन बचे हैं।
 (ङ) श्रीरामचंद्र रघु कुल के थे।

कला एकीकरण

कढ़ाई

नीड़

परिणाम

अनल

25. अनुच्छेद-शब्द

लिखित प्रश्न

- छात्र स्वयं करें।
- छात्र स्वयं करें।

26. कहानी-शब्द

लिखित प्रश्न

- छात्र स्वयं करें।
- छात्र स्वयं करें।
- छात्र स्वयं करें।
- छात्र स्वयं करें।

27. पत्र-लेखन

लिखित प्रश्न

- छात्र स्वयं करें।
- छात्र स्वयं करें।

3. छात्र स्वयं करें।
4. छात्र स्वयं करें।
5. छात्र स्वयं करें।

28. निबंध-लेखन

लिखित प्रश्न

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. छात्र स्वयं करें।

29. अपठित-लेखन

लिखित प्रश्न

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।